FACULTY OF COMMERCE & MANAGEMENT

REPORT

INTERNATIONAL LECTURE SERIES

ON

AGRICULTURE MANAGEMENT AND ITS JOB PERSPECTIVES

Date: 05th January, 2024

We are pleased to Report that Faculty of Commerce & Management SDSUV, Pt. L.M.S. Campus, Rishikesh, Uttarakhand has organized an International Lecture Series on **"Agriculture Management and Its Job Perspectives"**

- **Keynote Speaker**: Dr. Shalini Pareek, Citrus Research and Education Center University, Florida, Florida , U.S.A. on 05/01/2024 from 11:30 AM onwards in *Hybrid mode.*
- **Venue:** C1, Faculty of Commerce & Management, Pt. L.M.S. Campus, Rishikesh , SDSUV, Uttarakhand
- Registration for the lecture series was Free.
- ***E-certificate*** have been issued to all the registered participants.

Registration Link:

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfiN-RhoWw8BtlWD88d6n-IUVgUQh4j51yhi0JUq38y8tbN6A/viewform?vc=0&c=0&w=1&flr=0

Meeting Link:

https://us06web.zoom.us/j/83566174661?pwd=oTzobu0gRL4dYu6CsVcnExscRtSb1i.1

- ***Following are the Brief details of the flow of the Programme*** :
  - Programme was started with the Welcome of Dignitaries followed by lightening of lamp.
  - **Welcome address by Patron** : Prof M.S. Rawat , Campus Director
  - **Briefing about the Lecture Series** by Convenor Prof. Kanchan Lata Sinha, Head & Dean, Faculty of Commerce & Management.
  - **Address by Chief Patron**: Hon'ble Vice Chancellor, Prof. N.K. Joshi, SDSUV Badshaithul
  - **Lecture by Keynote Speaker** Dr. Shalini Pareek, Citrus Research and Education Center University, Florida, had given in-depth lecture and enightened students regarding career prospects in the field of Agriculture Managaement and its various dimensions including Agri-Stratups in Bharat and U.S.A.
  - **Vote of Thanks** was given by Prof. Dharmendra Kumar, Co-Convenor, Faculty of Commerce & Management, B.B.A Co-ordinator, Pt. L.M.S. Campus Rishikesh.
  - A total of 391 participants from India , Fargana, Ujbekistan and Ukarain joined the lecture series.
  - The Programme was Anchored by Dr. Neetika Aggarwal.
  - This lecture series was conducted with the joint effoerts of Organizing Commitee members Prof. V.N. Gupta, Prof. V.K. Gupta, Prof C.S. Negi, Dr Reeta, Dr Gaurav Rawat, Dr Urvashi and Dr Lata Pande. Technical Support was given by Vivek Rajbhar and MTS Pradeep Rawat

With warm Regards
Prof. Kanchan Lata Sinha
Head & Dean
Faculty of Commerce & Management
Pt. L.M.S. Campus , Rishikesh

Glimpses of the International Lecture Series

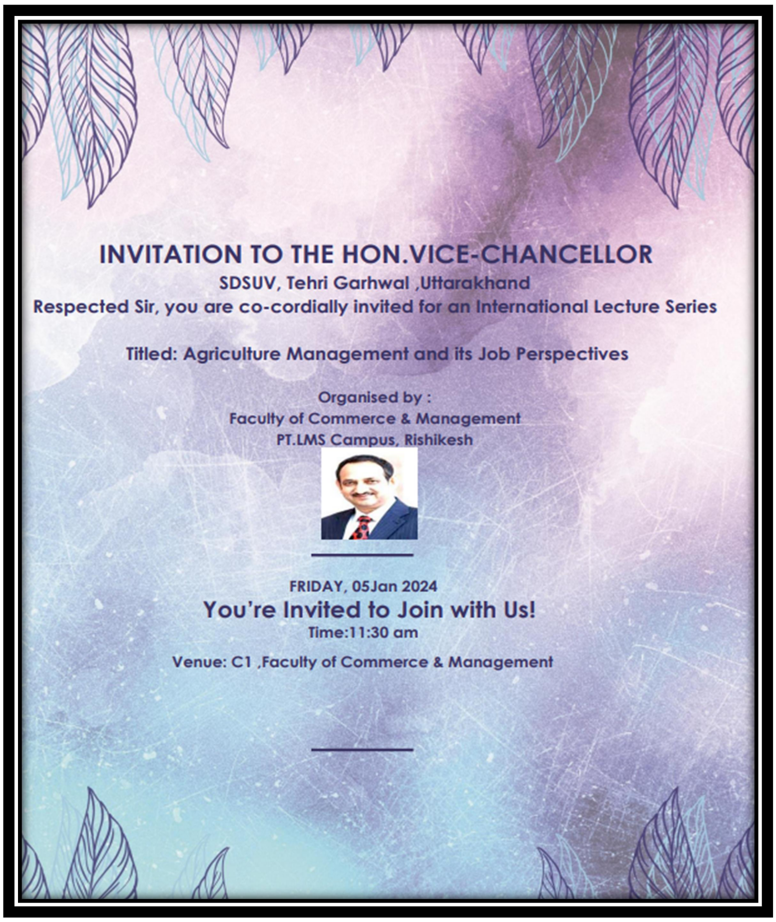

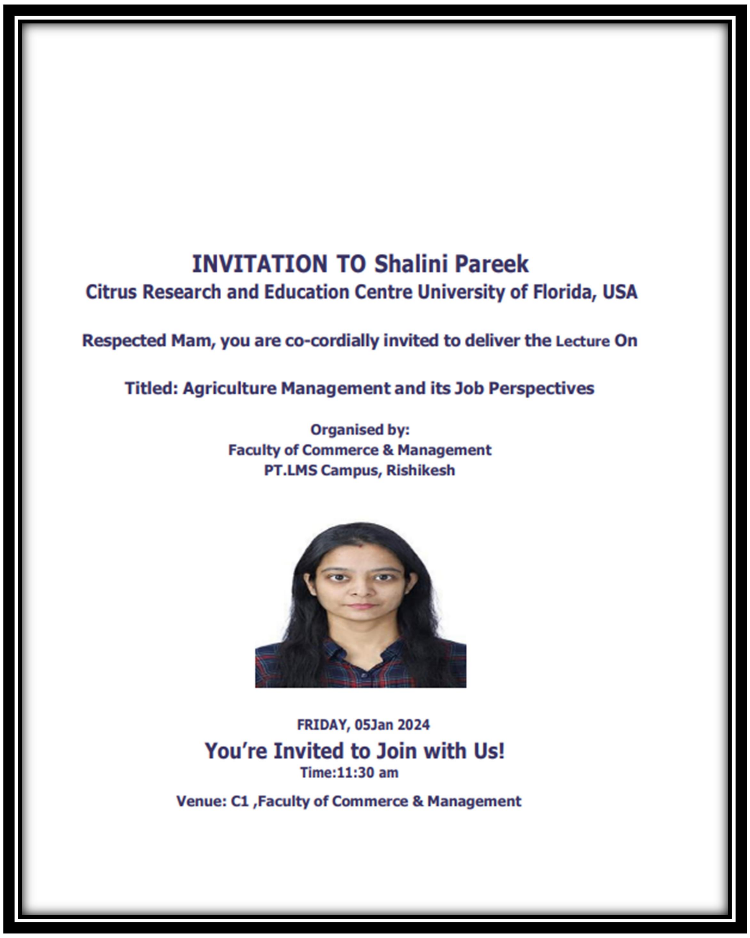

International Lecture Series on Agriculture Management and its Job Perspectives January 5th, 2024		
PROGRAMME SCHEDULE		
INAUGURATION		
1.	Arrival of Dignitaries &Welcome	11:30am-11:35 am
2.	Lightening of Lamp	11:35am-11:40am
3.	**Welcome Address by Patron:**Prof. M.S.Rawat, Director,Pt.L.M.S.Campus,Rishikesh	11:40am-11:45am
4.	**About the Lecture Series by Convenor:**Prof.K.L.Sinha, Head and Dean Faculty of Commerce and Management, Pt. L.M.S.Campus,Rishikesh	11:45am-11:50am
5.	**Address by Chief Patron:**Hon'ble Prof.N.K.Joshi, Vice Chancellor ,Srivdev Suman Uttarakhand University,Tehri Garhwal	11:50am-11:55am
6.	**Lecture by Key Note Speaker** :Dr.Shalini Pareek , Citrus Research and Education Center University of Florida,U.S.A	11:55am-12:55pm
7.	**Vote of Thanks** :Prof.D.K.Tiwari, Co-Convenor Faculty of Commerce and Management,Pt. L.M.S.Campus,Rishikesh	12:55pm-1:00pm

GPS Map Camera
Google
Rishikesh, Uttarakhand, India
37WJ+5MJ, Ganga Nagar, Rishikesh, Uttarakhand 249201, India
Lat 30.095399°
Long 78.281272°
05/01/24 12:04 PM GMT +05:30

Pt.L.M.SHARMA CAMPUS
RISHIKESH (DEHRADUN)
SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, NEW TEHRI

GPS Map Camera
Rishikesh, Uttarakhand, India
37WJ+5MJ, Ganga Nagar, Rishikesh, Uttarakhand 249201, India
Lat 30.095453°
Long 78.281363°
05/01/24 12:10 PM GMT +05:30
Google

12:45
69%
Zoom
Leave
90
Unmute
Start Video
Participants
Chat
Reactions

GPS Map Camera
Google
Rishikesh, Uttarakhand, India
37WJ+5MJ, Ganga Nagar, Rishikesh, Uttarakhand 249201, India
Lat 30.09546°
Long 78.281443°
05/01/24 12:09 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Rishikesh, Uttarakhand, India
37WJ+5MJ, Ganga Nagar, Rishikesh, Uttarakhand 249201, India
Lat 30.095453°
Long 78.281363°
05/01/24 12:10 PM GMT +05:30
Google

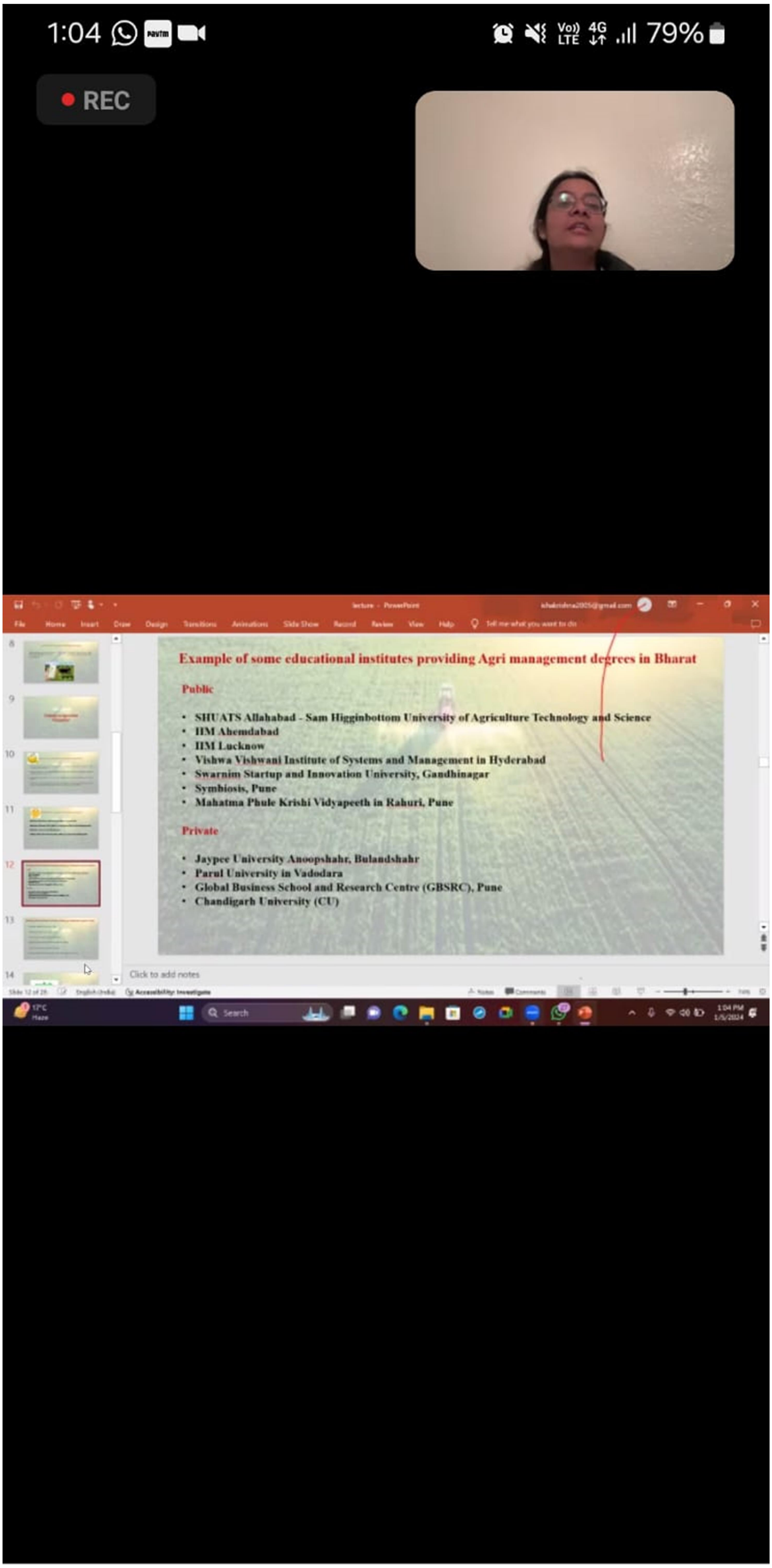
1:04
79%
REC
Example of some educational institutes providing Agri management degrees in Bharat
Public
• SHUATS Allahabad - Sam Higginbottom University of Agriculture Technology and Science
• IIM Ahemdabad
• IIM Lucknow
• Vishwa Vishwani Institute of Systems and Management in Hyderabad
• Swarnim Startup and Innovation University, Gandhinagar
• Symbiosis, Pune
• Mahatma Phule Krishi Vidyapeeth in Rahuri, Pune
Private
• Jaypee University Anoopshahr, Bulandshahr
• Parul University in Vadodara
• Global Business School and Research Centre (GBSRC), Pune
• Chandigarh University (CU)
Click to add notes

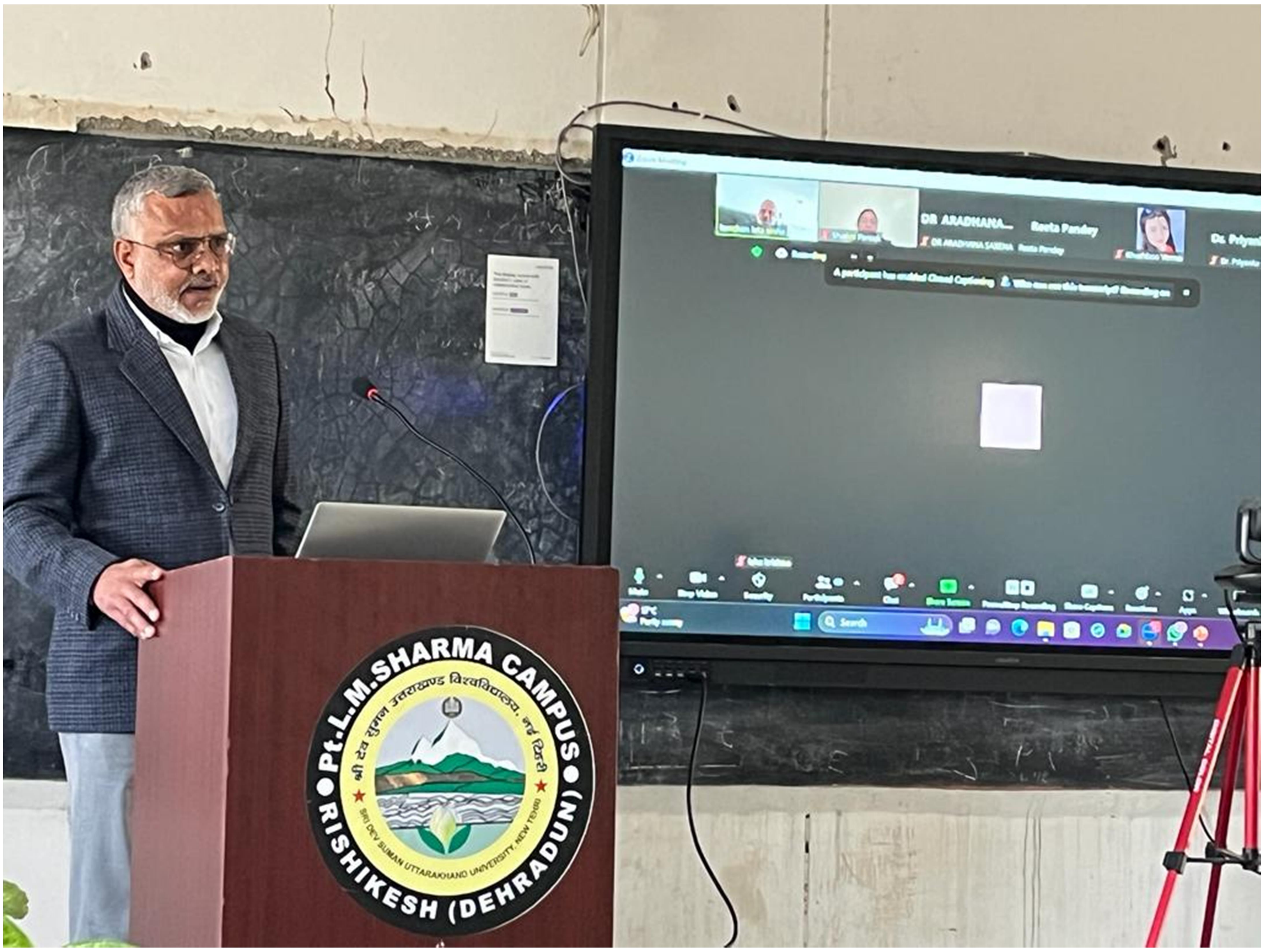
DR ARADHANA...
Reeta Pandey
Pt.L.M.SHARMA CAMPUS
RISHIKESH (DEHRADUN)
SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, NEW TEHRI

NATIONAL CADET CORPS
Thank you

PRINT MEDIA

संपादकीय

आर्थिक चुनौतियों के बीच...

इन दिनों वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संगठनों के द्वारा बीते वर्ष 2023 की आर्थिक चुनौतियों और नए वर्ष 2024 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित की जा रही विभिन्न रिपोर्टों में नए वर्ष में भारत के आर्थिक विकास की ऊंची संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। यदि हम नए वर्ष 2024 की डगर पर आगे बढ़ते भारत की आर्थिक तस्वीर को देखें तो पाते हैं कि भारत को 2023 से प्रमुखतया महंगाई, रोजगार, रुपए की कीमत, विदेशी मुद्रा भंडार, देश पर विदेशी कर्ज, व्यापार घाटा, चिंताजनक मानव विकास सूचकांक जैसी आर्थिक चुनौतियां विरासत में मिली हैं। बीते वर्ष 2023 में भारत मानव विकास सूचकांक में पीछे दिखाई दिया है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की बड़ी चुनौतियां भारत के समक्ष बनी हुई हैं। दुनिया में प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी भारत की स्थिति 129वें क्रम पर परिलक्षित हुई है। बीते वर्ष में महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग वर्ष भर बनी रहीं। इजरायल-हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध, तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी ने भी महंगाई बढ़ाई और महंगाई ने आम आदमी से लेकर सरकार के लिए भी चिंताएं निर्मित की। खास तौर से नवंबर 2023 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढ़ने लगी। खाद्य महंगाई की दर बढ़कर 8.7 फीसदी से अधिक पहुंच गई। यदि हम देश में 2023 के रोजगार परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि रोजगार की स्थिति संसद की बहस से लेकर युवाओं की चिंता का कारण बनी रही। वर्ष 2023 में वैश्विक सुस्ती के कारण जो उद्योग-कारोबार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए, वहां रोजगार के कम मौके निर्मित हुए। लेकिन गिग अर्थव्यवस्था और असंगठित सेक्टर में मौके बढ़ने से बेरोजगारी दर जो 2017-18 में छह फीसदी थी, वह 2022-23 में घटकर 3.2 फीसदी रही। जहां वर्ष 2023 में आईटी बाजार की रोजगार तस्वीर बदल गई और बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी छोड़नी पड़ी तथा नई नियुक्ति का अनुपात भी घट गया, वहीं विमानन और फार्मा जैसे सेक्टरों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी। यद्यपि भारत ने वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने के अधिकतम प्रयास किए, लेकिन फिर भी बीते वर्ष में निर्यात तेजी से नहीं बढ़ पाए तथा विदेशी मुद्रा की अन्य साधनों से कमाई भी कम रही, इससे व्यापार घाटा बढ़ा। बीते वर्ष में रुपया वर्षभर लुढ़कता रहा, वर्ष 2023 में अमरीका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर लुढ़ककर 84 के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023 के शुरुआती महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आई। इस गिरावट का कारण निर्यात में कमी, आयात में वृद्धि व डॉलर की तुलना में रुपए को थामने के लिए रिजर्व बैंक के द्वारा आवश्यकता के अनुरूप विदेशी मुद्रा कोष में संचित डॉलर की बिक्री किया जाना भी रहा। निःसंदेह रूप से इन विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच भी वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई मोर्चों पर बेहतर प्रस्तुतिकरण दिखाया है और भारत की कई आर्थिक उपलब्धियां दुनियाभर में रेखांकित हुईं। कारोबारी और वित्तीय परिदृश्य व्यापक तौर पर विस्तार को लेकर आशावादी रहा और विकासमूलक संकेत देते हुए मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत करता रहा। विनिर्माण, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई है। -सम्पादक

जिलाधिकारी ने जीएसटी विभाग के अधिकारियों को दिये निर्देश

वाहन की नंबर प्लेट ना पाई जाए अथवा उस पर पेंट, मिट्टी लगी हुई पाई जाने पर विशेष रूप से वाहन के कागजात की चेकिंग कर नंबर प्लेट का मिलान सुनिश्चित करें

बुलन्द वाणी महमूद रजा

बिजनौर। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने जीएसटी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व संग्रह प्राप्ति में अपेक्षित प्रगति के लिये रेंडम चेकिंग की संख्या बढ़ाएं और चेकिंग कार्य सुव्यवस्थित रूप से करने के लिए रोस्टर निर्धारित करें उसी के अनुसार चेकिंग कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कर अपवंचन रोकने के लिए रात में भी प्रवर्तन कार्य करें और चेकिंग के दौरान वाहनों की नंबर प्लेट जरूर चेक करें यदि किसी वाहन की नंबर प्लेट ना पाई जाए अथवा उस पर पेंट, मिट्टी लगी हुई पाई जाने पर विशेष रूप से वाहन के कागजात की चेकिंग कर नंबर प्लेट का मिलान सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी श्री अग्रवाल आज कलेक्ट्रेट सभागार में शाम 4:00 बजे आयोजित राजस्व संग्रह में लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षाकृत कम प्राप्तियां एवं प्रवर्तन कार्य मानक के अनुरूप न होने के दृष्टिगत राज्य कर विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि कर अपवंचन एक गंभीर समस्या है इस पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करें और विभागीय लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व संग्रह करना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान जीएसटी विभाग द्वारा राजस्व संग्रह में गत माह की तुलना में प्रगति वृद्धि पाई जिस पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति को सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की प्रवर्तन कार्य को बढ़ाएं और खनन विभाग द्वारा बनाए गए चेक पॉइंट्स पर भी चेकिंग का रोस्टर बनाएं इसी के साथ खनन परिवहन करने वाले वाहनों की भी निर्धारित मानकों के अनुसार चेकिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार संवेदनशील स्थानों पर रेड करें और यदि वहां पर कर अपवंचन किया जाना संज्ञानित होता है तो निर्धारित धाराओं के अनुरूप कार्यवाई करते हुए उनसे राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी श्री अग्रवाल ने निर्देश दिए कि राजस्व संग्रह के लिए बिजली विभाग से डाटा प्राप्त करें और अपने विभाग के डाटा से उसका मिलान करें। उन्होंने जीएसटी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में दाखिल होने वाले 12 चिन्हित स्थानों पर विशेष रूप से चेकिंग अभियान चलाएं और उन पॉइंट्स की लिस्ट राजस्व विभाग से प्राप्त कर लें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार सिंह, ज्वाइंट कमिश्नर राजीव आर्य, जॉइंट कमिश्नर विपुल सिंघल, उपायुक्त राज्य कर संजय सिंह सहित जीएसटी विभाग के अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

सुदूर क्षेत्र में ऑनलाइन शिक्षा है एक बहुत बड़ी चुनौती: डॉ0 अटल बिहारी त्रिपाठी

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर (पी0जी0) कॉलेज, रायसी के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "सुदूर क्षेत्र में ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती" विषय पर डॉ0 अटल बिहारी त्रिपाठी असिस्टेंट प्रोफेसर, ऋषिकेश कैंपस श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय द्वारा अतिथि व्याख्यान देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा को सभी के लिए उपलब्ध करने की बात कही गई है जिसमें शिक्षा ऑनलाइन में ऑफलाइन दोनों ही मोड में प्रदान करती है लेकिन सुदूर ग्रामीण क्षेत्र या दुर्गम इलाकों में जहां पर आज भी नेटवर्क की उपलब्धता सही नहीं है वहां पर ऑनलाइन शिक्षा एक बहुत बड़ी चुनौती है जिसके लिए सरकार को और सामाजिक संगठनों को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है जिससे सुदूरवर्ती छात्रों को भी ऑनलाइन शिक्षा का भरपूर लाभ मिल सके। डॉ0 त्रिपाठी ने बताया कि जीवन में अनुशासन, करियर, काम, अध्ययन, जीवन शैली और यहां तक कि सामाजिक जीवन तक सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है। इसलिए इसका महत्व भी हमारे जीवन के लिए बहुत अधिक है। अगर ऑनलाइन शिक्षा को आगे बढ़ाना है तो हमें इसकी पहुंच अनुशासित तरीके से पहले प्रदान करनी होगी। आज ऑनलाइन शिक्षा हमें आगे बढ़ने का सही तरीका, जीवन में नई चीजें सीखने, कम समय के अंदर अधिक अनुभव करने जैसे बहुत सारे अवसर प्रदान करती है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने अतिथि के रूप में आए हुए डॉ अटल बिहारी त्रिपाठी का धन्यवाद करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन व सामाजिक जीवन तथा हर क्षेत्र में आज ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव बढ़ता ही जा रहा है लेकिन अभी भी दुर्गम क्षेत्रों में नेटवर्क की कनेक्टिविटी एक समस्या बनी हुई है जिसे जल्द से जल्द दूर करने के प्रयास किये जाने चाहिए। शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ विक्की ने सभी छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए ऑनलाइन शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ0 के0पी0 तोमर ने कहा कि हमें ऑनलाइन शिक्षा की पहुंच को आसान करने के लिए सर्वप्रथम छात्रों में जागरूकता लानी होगी उसके साथ ही कुछ सामाजिक एवं सरकारी प्रयास के द्वारा कनेक्टिविटी को दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए प्रयास करने होंगे। शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य कुलदीप सिंह टण्डवाल ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा वर्तमान की आवश्यकता है आज जब शिक्षा के द्वारा छात्रों में स्किल डेवलपमेंट की बात की जा रही है। तब ऑनलाइन शिक्षा की अनिवार्यता और बढ़ जाती है क्योंकि बालक को कक्षा-कक्ष तक बांधकर उसके स्किल को डेवलप नहीं किया जा सकता। इस अतिथि व्याख्यान में शिक्षाशास्त्र विषय के प्रथम सेमेस्टर के 64 छात्र-छात्राओं ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर डॉ0 परीक्षित, डॉ0 अक्षय गौतम, प्रयोगशाला सहायक श्री जयदीप शर्मा व श्री रोबिन कुमार आदि उपस्थित रहें।

रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन के कोच में आग लगने के दृष्टिगत फायर ब्रिगेड द्वारा किया गया मॉक ड्रिल का आयोजन

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार। रेलवे स्टेशन में पैसेंजर ट्रेन के कोच में आग लगने के दृष्टिगत अग्निशमन विभाग मायापुर, जीआरपी हरिद्वार, आरपीएफ एवं बीडीएस टीम द्वारा एक संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही का प्रदर्शन किया गया, उक्त मॉक ड्रिल के बाद सभी टीमों द्वारा आपसी सामंजस्य को और अधिक प्रभावी करने पर विचार विमर्श किया गया, ताकि भविष्य में यदि इस प्रकार की कोई घटना घटित होती है तो कम समय में सभी टीम त्वरित कार्रवाई कर किसी भी प्रकार की होने वाली हानि को न्यून कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय लेक्चर सीरीज में फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से डॉ शालिनी पारीक ने दिया कृषि प्रबंधन पर व्याख्यान

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

देहरादून, ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर के पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के द्वारा एग्रीकल्चर मैनेजमेंट एंड इट्स प्रोस्पेक्टिव विषय पर अंतर्राष्ट्रीय लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० एन०के० जोशी और परिसर के निदेशक प्रोफेसर एम ०एस रावत द्वारा किया गया।

प्रोफेसर एन० के जोशी द्वारा इन्नोवेटिव आईडियाज एंड इंपोर्टेंस ऑफ एग्रीकल्चर पर अपनी बात रखी गई, परिसर के निदेशक प्रो० एम एस रावत द्वारा इंडियन इकॉनमी में एग्रीकल्चर की भूमिका को बताया गया, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी से डॉक्टर शालिनी पारीक ने अपना लेक्चर दिया इस अवसर पर उन्होंने एग्रीकल्चर मैनेजमेंट और जॉब क्रिएशन में उसकी भूमिका को अपने लेक्चर के माध्यम से प्रस्तुत किया, इस लेक्चर के मुख्य विषय के रूप में स्किल मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरल मैनेजमेंट, मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट पर बात रखी गई। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो० कंचन लता सिन्हा, प्रो० वी०के० गुप्ता प्रो० डी०के तिवारी, प्रो० वी एन गुप्ता, प्रो० सी ०एस नेगी, डॉ रीता खत्री, डॉ उर्वशी, डॉ नीतिका अग्रवाल, डॉ गौरव रावत, डॉ लता पांडे, अंतर्राष्ट्रीय स्तर से 10 प्रतिभागी एवं सहित 389 से अधिक प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित करके किया गया

बिजनौर (बुलन्द वाणी)। परियोजना अधिकारी डूडा पवन कुमार शर्मा द्वारा जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा संचालित दीन दयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत ऋण पाने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का गैर आवासीय छः दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित करके किया गया।

धनौरी पी.जी. कॉलेज एवं नेशनल इंटर कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय पृथ्वी सिंह 'विकसित' जी के जन्मदिवस पर हुआ पूजन, हवन का कार्यक्रम सम्पन्न

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

अपना ऋषिकेश

03

मोदी सरकार की गारंटी

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से सुरक्षित मातृत्व

3 करोड़ 20 लाख गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को ₹14 हजार करोड़ की सहायता

हमारा संकल्प विकसित भारत

काम की खबरें

रोजगारपरक प्रशिक्षण शुरू

आज का मौसम

20.0° अधिकतम | 08.0° न्यूनतम

शहर 30s

रोजगार में कृषि की अहम भूमिका

बुजुर्गों ने उठाया चिकित्सा शिविर का लाभ

जागरण देहरादून, 6 जनवरी, 2024

ऋषिकेश जागरण

एक नजर

सामूहिक प्रयास से ही संभव होगा महादेव खाले की समस्या का हल

उत्पीड़न कर रहे धार्मिक ट्रस्टों के खिलाफ व्यापारी मुखर

हर गरीब को मिल रहा मोदी की गारंटी का लाभ : पोखरियाल

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका अहम

ड्रोन से सीएचसी

एम्स की ड्रोन स्वास्थ्य

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
रविवार
7 जनवरी 2024, देहरादून
www.livehindustan.com

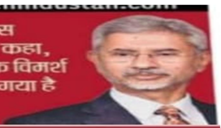

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
अपना ऋषिकेश
देहरादून
रविवार
7 जनवरी 2024

रोजगार में कृषि की अहम भूमिका

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश में एग्रीकल्चर मैनेजमेंट एंड इट्स प्रोस्पेक्टिव विषय पर कार्यशाला हुई। कुलपति प्रो. एनके जोशी और परिसर के निदेशक प्रो. एमएस रावत ने कहा कि रोजगार सृजन में कृषि प्रबंधन की भूमिका अहम है। मौके पर डॉ. शालिनी, प्रो. कंचन लता सिन्हा, प्रो. वीके गुप्ता, प्रो. डीके तिवारी, प्रो. वीएन गुप्ता, प्रो. सीएस नेगी आदि रहे।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका अहम

ऋषिकेश: श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय ऋषिकेश परिसर में फैकल्टी आफ कामर्स एंड मैनेजमेंट की ओर से आयोजित एग्रीकल्चर मैनेजमेंट एंड इट्स प्रोस्पेक्टिव विषय पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके जोशी और परिसर के निदेशक प्रोफेसर एमएस रावत ने किया। उन्होंने इंडियन इकानामी में एग्रीकल्चर की भूमिका को बताया। प्रो. एनके जोशी ने इनोवेटिव आइडियाज एंड इंर्पोटेंस आफ एग्रीकल्चर पर विचार रखे। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी से डा. शालिनी पारीक ने एग्रीकल्चर मैनेजमेंट आफ जाब क्रिएशन पर विचार रखे।

इस अवसर पर वाणिज्य संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. कंचन लता सिन्हा, प्रो. वीके गुप्ता, प्रो. डीके तिवारी, प्रो. वीएन गुप्ता, प्रो. सीएस नेगी, डा. रीता खत्री, डा. उर्वशी पांडे, डा. नीतिका अग्रवाल, डा. गौरव रावत, डा. लता पांडे मौजूद रहे।(जासं)